

## डॉ. रोजर ग्रीन, अमेरिकी ईसाई धर्म, सत्र 6, जोनाथन एडवर्ड्स और प्रथम महान जागृति

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 6 है, जोनाथन एडवर्ड्स और प्रथम महान जागृति।

मैं इसके बारे में बात कर रहा हूँ, इसलिए मैंने सोचा कि मैं जोनाथन एडवर्ड्स से पढ़ूँगा कि हमने अभी उनके बारे में बात करना समाप्त किया है, लेकिन मैं देखना चाहता हूँ कि क्या शुरू करने के बाद जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में कोई प्रश्न हैं।

जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में आप जो एक उपदेश जानते हैं, वह वही उपदेश है जिसके लिए वे जाने जाते हैं, आग और गंधक वाला उपदेश। उस उपदेश का शीर्षक क्या है? क्रोधित ईश्वर के हाथों में पापी। आपको यह तो पता ही होगा।

अब, उनके पास बहुत से अन्य उपदेश हैं, लेकिन किसी कारण से, वह उपदेश लोगों के दिमाग में बस जाता है। इसलिए, आज मैं जो पढ़ना चाहता हूँ वह उपदेश के अंत के पास का एक पैराग्राफ है। यह जोनाथन एडवर्ड्स का सुसमाचार प्रचार वाला पक्ष है जो यहाँ सामने आ रहा है।

तो यह रहा। और अब आपके पास एक असाधारण अवसर है। एक ऐसा दिन जिसमें मसीह ने दया का द्वार खोल दिया है और गरीब पापियों को ऊँची आवाज़ में पुकार रहा है।

एक ऐसा दिन जिसमें बहुत से लोग उसके पास आ रहे हैं और परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। बहुत से लोग प्रतिदिन पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से आ रहे हैं। बहुत से लोग जो हाल ही में उसी दयनीय स्थिति में थे जिसमें आप हैं, अब एक खुशहाल स्थिति में हैं और उनके दिल उसके लिए प्यार से भरे हुए हैं जिसने उनसे प्यार किया है और उन्हें अपने खून से उनके पापों से धोया है और परमेश्वर की महिमा की आशा में आनन्दित हैं।

ऐसे दिन में पीछे छूट जाना कितना भयानक है जब आप इतने सारे लोगों को दावत करते हुए देखते हैं जबकि आप तड़प रहे हैं और मर रहे हैं, इतने सारे लोगों को खुशी से झूमते और गाते हुए देखते हैं जबकि आपके पास दिल के दुख के लिए विलाप करने और आत्मा की पीड़ा के लिए चीखने का कारण है? ऐसी स्थिति में आप एक पल कैसे आराम कर सकते हैं? क्या आपकी आत्माएँ शेफ़ील्ड के लोगों की आत्माओं जितनी कीमती नहीं हैं, जहाँ एक महान पुनरुत्थान हुआ था, जहाँ वे दिन-प्रतिदिन मसीह के पास आ रहे हैं? इसलिए, अगर आज पढ़ने के लिए कुछ है, तो मुझे लगा कि जोनाथन एडवर्ड्स की किताब सिनर्स इन द हैंड्स ऑफ़ एन एंग्री गॉड उपयुक्त होगी। और मैं पाठ्यक्रम और ए, द लाइफ़ एंड मिनिस्ट्री ऑफ़ जोनाथन एडवर्ड्स के पेज 13 पर हूँ।

तो, आज सुबह शुरू करने से पहले, क्या आपके पास जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में कोई सवाल हैं? वह इस कोर्स के महान, शानदार लोगों में से एक हैं, और मुझे उनके बारे में इतनी जल्दी बात

करना पसंद नहीं है। उन्हें सिर्फ़ एक क्लास का समय देना मुझे थोड़ा परेशान करता है, लेकिन हमें आगे बढ़ते रहना है। लेकिन क्या उनके बारे में, उनके जीवन के बारे में, उनके मंत्रालय के बारे में, उनके धर्मशास्त्र के बारे में, जोनाथन एडवर्ड्स के धर्मशास्त्र के बारे में कोई सवाल है? क्या आपको पता है कि वह कौन थे और कितने महत्वपूर्ण थे? और रिकार्डों? मुझे लगता है कि मुझे उनके बारे में अच्छी समझ है, या बस उदाहरण के लिए, जब हम जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में क्या बातचीत होती है, उनके नाम या जीवन और मंत्रालय के बारे में कौन सी मुख्य जानकारी सामने आनी चाहिए जो हमें पसंद है? ठीक है।

खैर, जोनाथन एडवर्ड्स, कुछ बातें हैं जो लोग मुझसे पूछेंगे। पहली बात तो हमने बताई है, लेकिन मैं इस पर विशेष जोर देना चाहूँगा। वह अमेरिका में जन्मे धर्मशास्त्री और दार्शनिक है।

तो, वह कोई आयातित व्यक्ति नहीं है। वह यहाँ नहीं आया, बल्कि यहाँ ईस्ट विंडसर, कनेक्टिकट में उसका जन्म हुआ। और इसलिए वह अमेरिकी चर्च के अनुभव के संदर्भ में हम में से एक है।

उन्होंने हमें इस देश में जन्म लेने, उपनिवेशों में जन्म लेने, इत्यादि से बहुत कुछ दिया है। इसलिए, मैं कहूँगा कि वे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे इतने सारे क्षेत्रों में एक महान विचारक थे। वे एक दार्शनिक थे; वे एक धर्मशास्त्री थे; वे एक प्राकृतिक वैज्ञानिक थे और जाहिर तौर पर एक भाषाई व्यक्ति थे।

और इसलिए, ज्ञान की इस तरह की जबरदस्त चौड़ाई है। लेकिन फिर मैं यह कहकर आगे बढ़ूँगा कि उन्होंने यह सब भगवान के राज्य की सेवा में लाया। वह एक महान दार्शनिक हो सकते थे, शायद भगवान के राज्य से अलग भी जाने जाते थे।

लेकिन उसने यह सब अपने दिल और जीवन में मसीह के राज्य और शासन के अधीन कर दिया। इसलिए, वह बहुत उल्लेखनीय है, और उसने यह निडरता से किया। उसने यह काम क्षमा याचना के साथ नहीं किया।

ओह, मैं एक ईसाई हूँ। लेकिन नहीं, वह मसीह के लिए खड़े होने, चर्च के लिए खड़े होने, अपनी पीढ़ी के सामने परमेश्वर के राज्य के लिए खड़े होने में निडर था। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं उसके बारे में भी यही कहूँगा।

बेशक, वह एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे। हाँ, एमी? एडवर्डियन, उनके अनुयायी, वास्तव में क्या करते थे, जो पूर्वनियति के विचार को आगे नहीं बढ़ाते थे? वे कौन से विचार थे जो उन्होंने आगे बढ़ाए? एडवर्डियन, खैर, वे उनके सच्चे अनुयायी थे, और वे भी, या तो उनके बेटे या उनकी कक्षाओं के अन्य लोग और इसी तरह। इसलिए वास्तव में उनसे सीखा और अपने शिक्षक, अपने गुरु के बारे में हर बात से असहमत नहीं थे, लेकिन कुछ चीजें थीं और इच्छा की स्वतंत्रता थी, यहाँ थोड़ी सी दरार थी और एडवर्ड्स और जोनाथन एडवर्ड्स के साथ एक तरह से अलग होने का रास्ता था।

इसके अलावा, जोनाथन एडवर्ड्स मूल पाप में विश्वास करते थे। उनका मानना था कि हम सभी आदम के पाप को विरासत में लेते हैं और इसी तरह। खास तौर पर चौथे एडवर्ड्सियन जिसका

Commented [TH1]:

मैंने उल्लेख किया था, मूल पाप में विश्वास नहीं करते थे और उनका मानना था कि मूल पाप केवल आदम का पाप था।

यह हस्तांतरित नहीं हुआ, लेकिन जो हुआ वह यह है कि मनुष्य, आदम की तरह पापी हैं, और वे एक तरह से आदम की नकल हैं। जोनाथन एडवर्ड्स इससे सहमत नहीं होते। इसलिए, अब, मैंने उनका उल्लेख इसलिए किया है क्योंकि एक या दो पीढ़ियों तक, उन्होंने प्रचारकों, शिक्षकों और लेखकों के रूप में अमेरिकी जीवन और संस्कृति पर प्रभाव डाला।

एडवर्ड्सियन का अनुसरण नहीं करते हैं। मेरा मतलब है, हमें एडवर्ड्सियन का अनुसरण करने में बहुत समय लगेगा।

एडवर्ड्स के पाठ्यक्रम का अनुसरण नहीं करते हैं, लेकिन हाँ, उनका प्रभाव बहुत मजबूत है, बहुत बढ़िया है। लेकिन वे जोनाथन एडवर्ड्स का सम्मान करते थे। वे उनसे प्यार करते थे।

वे उनके धर्मशास्त्र को अच्छी तरह से जानते थे और इसी तरह की अन्य बातें भी, लेकिन वे जानते हैं; उनके लिए प्रस्थान के बिंदु हैं। तो, एडवर्ड्सियन, एडवर्ड्सियन पर बहुत कुछ लिखा गया है। तो, और एस्क्यू उनका उल्लेख करेंगे।

एडवर्ड्सियन का भी ज़िक्र करेंगे। बहुत सुंदर, लेकिन एक महत्वपूर्ण समूह क्योंकि वे दूसरी पीढ़ी के हैं जिनके कुछ विचार उनके हैं और कुछ अन्य से असहमत हैं। कुछ और भी है, हाँ।

हाँ, हाँ, उन्होंने यही सोचा था कि उसके मानक बहुत ऊँचे थे।

उन्होंने आधे-अधूरे अनुबंध जैसे मामलों की अनुमति नहीं दी; वे लोगों द्वारा चर्च में आ रहे थे क्योंकि वहाँ एक मण्डली चर्च था, लेकिन वह इससे बहुत नाखुश थे। इसलिए, यहाँ पादरी की मण्डली के बीच एक वास्तविक टकराव था, और वह झुकने वाला नहीं था, हालाँकि। मुझे लगता है कि आपको जोनाथन एडवर्ड्स का अंदाज़ा हो गया है, जिनके पास कुछ बहुत ही सुस्थापित विचार और कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण विचार थे।

और पादरी के रूप में, वह इस पर झुकने वाले नहीं थे। हालाँकि, उनकी मंडली को उन्हें वोट देकर बाहर करने का अधिकार है, जो उन्होंने किया। खैर, हाँ, उन्होंने इसे प्रगतिशील नहीं माना।

हाँ। उन्होंने इसे बहुत ही शर्मनाक माना। आधे रास्ते का वाचा और मण्डली चर्च किसी को भी चर्च में शामिल होने के लिए खुला दरवाज़ा दे रहा है।

वह इसे बाइबिल के अनुसार नहीं देखता। वह इसे चर्च के इतिहास में नहीं देखता। और इसलिए, वह बहुत पीछे हटता है, लेकिन यह मण्डली का मामला है, इसलिए वे उन्हें वोट देकर बाहर कर सकते हैं।

लेकिन आज, मेरा मतलब है, मुझे यकीन है कि ऐसी परिस्थितियाँ हैं, शायद आप अपने चर्चों में ऐसी परिस्थितियों से गुज़रे हों, लेकिन आज ऐसी परिस्थितियाँ होनी चाहिए जहाँ पादरी मामलों के

बारे में बहुत रूढ़िवादी हो सकता है और बहुत बाइबिल का पालन करना चाहता हो और इसी तरह की अन्य बातें, लेकिन मण्डली बहुत ज़्यादा उदार हो सकती है, टकराव हो सकता है, या यह दूसरी तरह से काम कर सकता है। हो सकता है कि मण्डली ज़्यादा रूढ़िवादी, ज़्यादा बाइबिल का पालन करने वाली, ज़्यादा रूढ़िवादी हो, और एक पादरी आ सकता है जो शायद काफ़ी उदार हो, और वहाँ भी टकराव हो सकता है। तो, मुझे यकीन है कि हम आज ऐसा देखते हैं, लेकिन हाँ।

हाँ। हमने देखा है कि एपिस्कोपल चर्च और उसके बाद के बीच विभाजन में, और वैसे, हम उस नाम, एपिस्कोपल के कारण के बारे में बात करेंगे, लेकिन फिर हम इसे एंग्लिकन के साथ देखेंगे जो एपिस्कोपल चर्च से अलग हो गए और जरूरी नहीं कि एक मुद्दे पर अलग हो गए, बल्कि पूरे अधिकार के व्यवसाय पर अलग हो गए, जिसे अमेरिका में एपिस्कोपल चर्च के नेतृत्व द्वारा पूरी तरह से कमजोर कर दिया गया था। और इसलिए यह सही है।

इस बात पर पूरे संप्रदाय में मतभेद हो गया। यह सच है। इसलिए आज हम संप्रदाय के स्तर पर इसे देख रहे हैं।

जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में कुछ और, या हमें यहीं आगे बढ़ना चाहिए? ठीक है। मुझे लगता है कि हम आगे बढ़ेंगे। यदि आपके पास अपना पाठ्यक्रम है, पृष्ठ 13, यदि यह सहायक है, तो तीन अन्य महत्वपूर्ण नेता हैं जिनके बारे में मैं बात करना चाहता हूँ, पहले महान जागरण के बारे में।

यह सब जोनाथन एडवर्ड्स की वजह से नहीं था। आपको यह देखना होगा कि ये अन्य नेता जोनाथन एडवर्ड्स के साथ समानांतर काम कर रहे थे। अमेरिकी जीवन और संस्कृति में एक जबरदस्त आंदोलन चल रहा था, और इस बारे में कोई संदेह नहीं है।

तो, हम उस व्यक्ति से शुरू करने जा रहे हैं जिसे आप शायद सबसे कम जानते हैं, और वह है थियोडोर जे. फ्रेलिंगहुइसन। और यहाँ फ्रेलिंगहुइसन की तारीखें हैं। थियोडोर जे. फ्रेलिंगहुइसन, मुझे लगता है कि अगर आप उस नाम को देखेंगे, तो आप खुद से कहेंगे, बेटा, यह मुझे एक डच नाम लगता है, फ्रेलिंगहुइसन।

खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि यह एक डच नाम है। थियोडोर जे. फ्रेलिंगहुइसन, न्यू जर्सी में एक डच रिफॉर्म पादरी थे। इसलिए, वह डच रिफॉर्म हैं।

अगर आप में से कोई न्यू जर्सी से आता है, तो आपको बता दें कि वहाँ एक फ्रीलिंगहुइसन हाईवे है। थियोडोर जे. फ्रीलिंगहुइसन के नाम पर कुछ चीजें हैं। तो यह एक ऐसा नाम हो सकता है जिससे आप थोड़ा परिचित होंगे।

लेकिन वह डच रिफॉर्म है। वह जो करना चाहता है वह डच रिफॉर्म चर्चों में पुनरुत्थान लाना है, लेकिन आप देख सकते हैं कि वह एक घुमक्कड़ प्रचारक भी है, जैसे अगली सदी के घुमक्कड़ मेथोडिस्ट प्रचारक। वह एक घुमक्कड़ प्रचारक है।

इसलिए, वह न्यूयॉर्क और मैरीलैंड जैसी विभिन्न मध्य कॉलोनियों में जाकर सुसमाचार का प्रचार करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उच्च सुधार चर्च एक तरह से बहुत अधिक सहज हो गए हैं, और वास्तव में वे चर्च जीवन के उस तरह के जोश से भरे नहीं हैं, जैसा कि होना चाहिए था। अब, हालांकि, ऐसे अन्य लोग भी हैं, जिन पर उनका प्रभाव है, और दूसरा समूह जिस पर उनका सबसे अधिक प्रभाव है, वे हैं प्रेस्बिटेरियन। इसलिए, ऐसे प्रेस्बिटेरियन थे जो थियोडोर जे. फ्रेलिंगहुइसन का उपदेश सुनने गए और उन्होंने उनके पुनरुत्थानवाद को अपने प्रेस्बिटेरियन चर्चों में वापस ले लिया।

तो, उनका अपने संप्रदाय से परे भी प्रभाव था। और, जैसा कि मैंने कहा, शायद वे पहले महान जागृति प्रचारकों में सबसे कम जाने जाते हैं, लेकिन बहुत, बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, हम उनका उल्लेख करना चाहते हैं।

अब, एक व्यक्ति जो उसे जानता था वह गिल्बर्ट टेनेंट था। वह नंबर दो है। तो, हम गिल्बर्ट टेनेंट के बारे में बात करेंगे।

और एक व्यक्ति जिसने उसे उपदेश देते हुए सुना और वास्तव में उसके उपदेश से प्रभावित हुआ, वह था गिल्बर्ट टेनेंट। गिल्बर्ट टेनेंट प्रेस्बिटेरियन था, लेकिन यहाँ थियोडोर जे. फ्रेलिंगहुइसन के एक प्रेस्बिटेरियन पादरी और उपदेशक पर प्रभाव का एक अच्छा उदाहरण है। तो, गिल्बर्ट टेनेंट, प्रेस्बिटेरियन।

अब, गिल्बर्ट टेनेंट के बारे में एक छोटी सी कहानी है जिसे हमें बताना होगा ताकि हम पहले महान जागरण के बारे में जान सकें। उनके पिता का नाम महत्वपूर्ण है, विलियम टेनेंट। तो, आप उनके पिता विलियम, 1673-1746 पर ध्यान देना चाहेंगे।

वैसे, यह तस्वीर गिल्बर्ट की तस्वीर है, जिस व्यक्ति के बारे में हम बात कर रहे हैं। हालाँकि, उनके पिता, विलियम टेनेंट, एक प्रेस्बिटेरियन थे, और उन्हें यकीन था कि उपनिवेशों में प्रेस्बिटेरियन मंत्रियों को मंत्रालय के लिए सही तरीके से प्रशिक्षित नहीं किया जा रहा था। उन्हें सही तरीके से प्रशिक्षित नहीं किया जा रहा था, और वह अपने तीन बेटों के साथ ऐसा नहीं होने देंगे।

उनके तीन बेटे थे जो मंत्रालय में प्रवेश करने वाले थे, इसलिए उन्होंने उन्हें अपने घर में ही प्रशिक्षित करने का फैसला किया। अब, जब आप मंत्रालय के लिए प्रशिक्षण के बारे में सोचते हैं, तो आप जानते हैं कि हम अभी भी 17वीं सदी में हैं, जो 18वीं सदी में आ रही है, लेकिन अभी तक सेमिनरी नहीं थी, जैसा कि हम आज सेमिनरी के बारे में सोचते हैं। वे थोड़े समय बाद आएंगे।

इसलिए, विलियम टेनेंट ने फैसला किया कि वह अपने तीन बेटों को अपने घर के बगल में एक छोटी सी इमारत में प्रशिक्षित करेगा, एक लॉग केबिन जो उसके घर से सटा हुआ था। इसलिए, वे उस लॉग केबिन में चले गए, और वहाँ उन्होंने अपने पिता विलियम से अपना मंत्री प्रशिक्षण प्राप्त किया। खैर, अन्य प्रेस्बिटेरियन ने इस बात का मज़ाक उड़ाया, कि विलियम टेनेंट क्या कर रहा था क्योंकि उन्हें नहीं लगता था कि वह ऐसा कर सकता है, उन्हें नहीं लगता था कि उसके पास

वास्तव में ऐसा करने की क्षमता है, और वह अपने बेटों को प्रेस्बिटेरियन मंत्री बनने के लिए प्रशिक्षित क्यों कर रहा है और इसी तरह की अन्य बातें।

तो, तो उन्होंने इसे, उन्होंने, उन्होंने इसे उपहास का नाम दिया। यह एक उपहासपूर्ण नाम था। वे इसे लॉग कॉलेज, लॉग कॉलेज कहते हैं।

ओह, ठीक है, लॉग कॉलेज। तो उपहासपूर्वक, इन लोगों को लॉग कॉलेज में प्रशिक्षित किया जा रहा है। खैर, मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हम समझें कि विलियम टेनेंट और उनके बेटों ने आखिरी हंसी इसलिए ली क्योंकि लॉग कॉलेज 1746 में प्रिंसटन यूनिवर्सिटी बन गया।

पहले इसे प्रिंसटन में कॉलेज ऑफ न्यू जर्सी नाम दिया गया था, लेकिन 1746 में, यह प्रिंसटन विश्वविद्यालय का संस्थापक कॉलेज था, जो आज दुनिया के महान विश्वविद्यालयों में से एक है। और इस तरह यह सब शुरू हुआ। अब, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि प्रिंसटन विश्वविद्यालय की स्थापना प्रेस्बिटेरियन द्वारा की गई थी।

तो, हमारे पास हार्वर्ड था, जिसे प्यूरिटन्स ने शुरू किया था। हमारे पास ब्राउन था जिसे बैपटिस्ट्स ने शुरू किया था। अब हमारे पास प्रिंसटन है जिसे प्रेस्बिटेरियन्स ने शुरू किया है।

तो, एक तरह से, उन्होंने आखिरी हंसी तो जीती, है न? तो, ठीक है, गिल्बर्ट टेनेंट। अब, गिल्बर्ट टेनेंट वही काम करता है, लेकिन प्रेस्बिटेरियनिज्म के लिए। गिल्बर्ट टेनेंट जाहिर तौर पर न्यू जर्सी में रहता था।

वह न्यू जर्सी प्रेस्बिटेरियन चर्चों में गया और उन चर्चों में एक महान पुनरुत्थान लाया। वह मध्य उपनिवेशों में भी थोड़ा फैला, लेकिन वह वास्तव में जानता था। न्यू जर्सी वास्तव में पुनरुद्धार के लिए उसका स्थान था। इसलिए, हम गिल्बर्ट टेनेंट के उस काम के लिए आभारी हैं जो उसने न्यू जर्सी और विशेष रूप से प्रेस्बिटेरियन चर्चों में प्रभु के लिए किया।

मुझे प्रिंसटन थियोलॉजिकल सेमिनरी से MTH की डिग्री मिली है, और प्रिंसटन थियोलॉजिकल सेमिनरी में टेनेंट कैंपस है क्योंकि वे टेनेंट परिवार के संदर्भ में इसकी पूरी शुरुआत तक पहुँच चुके हैं। उनके पास एक टेनेंट कैंपस है, जो प्रिंसटन थियोलॉजिकल सेमिनरी के कैंपस में काफी ध्यान देने योग्य है, जो प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के ठीक बगल में है। तो, यह व्यावहारिक रूप से एक ही कैंपस में है।

तो, गिल्बर्ट टेनेंट, यह उनकी कहानी है, और वह एक महान प्रचारक और पुनरुत्थानवादी थे, खासकर प्रेस्बिटेरियन के बीच। तो, हमारे पास एक दूसरा व्यक्ति है जो वास्तव में महत्वपूर्ण है। हमारे पास यहाँ एक तीसरा व्यक्ति है जिसके बारे में टेड हिल्डेब्रांट और मैं, डॉ. हिल्डेब्रांट, और मैं बहुत बात करेंगे, और उसका नाम जॉर्ज व्हिटफील्ड है।

जॉर्ज व्हिटफील्ड यहाँ एक बहुत ही उल्लेखनीय व्यक्ति हैं। कुछ बातें हैं, मैं जॉर्ज व्हिटफील्ड पर उतना समय नहीं बिताऊँगा जितना मैंने जोनाथन एडवर्ड्स पर बिताया, लेकिन वह इस प्रथम

महान जागृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, जॉर्ज व्हिटफील्ड के बारे में हमें कुछ बातें कहने की ज़रूरत है।

सबसे पहले, मैं आपको यहाँ उनकी तिथियाँ बता दूँ, 1714 से 1770 तक। जॉर्ज व्हिटफील्ड एंग्लिकन हैं। वे अपने चर्च से जुड़े होने के कारण ब्रिटिश एंग्लिकन हैं।

तो, आपके पास एडवर्ड्स एक कांग्रेसनलिस्ट के रूप में थे, आपके पास फ्रीलिंगहुइसन एक डच रिफॉर्म के रूप में थे, आपके पास टेनेट एक प्रेस्बिटेरियन के रूप में थे, और अब आपके पास जॉर्ज व्हिटफील्ड एक एंग्लिकन पादरी के रूप में हैं। जॉर्ज व्हिटफील्ड को उनके जीवन के अंत तक एक उचित उपाधि मिल गई थी। उन्हें ग्रैंड इटिनेरेंट, ग्रैंड इटिनेरेंट कहा जाता था, उनके मंत्रालय के कारण, भले ही वे एक एंग्लिकन पादरी थे और भले ही उन्होंने इंग्लैंड में एंग्लिकन चर्च और कुछ हद तक राज्यों में एंग्लिकन चर्च के लिए भी सेवा की थी, उनका मंत्रालय, मुझे लगता है कि आज हम इसे क्रॉस-डिनोमिनेशनल कहेंगे।

वह हर किसी के लिए प्रचारक थे। उन्होंने खुद को सिर्फ एक खास संप्रदाय तक सीमित नहीं रखा। इसलिए, उन्हें ग्रैंड इटिनेरेंट इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने सात बार अमेरिका की यात्रा की, जो उस दुनिया में काफी उल्लेखनीय है।

क्योंकि उस दुनिया में 10, 12, 15 हफ्तों तक जहाज़ पर रहना, अटलांटिक महासागर को पार करना कोई आसान काम नहीं था, कोई आसान काम नहीं था, और फिर घर वापस आना। इसलिए, जॉर्ज व्हिटफील्ड यहाँ सात बार आए। यहाँ एक तरह से व्हिटफील्ड की तस्वीर है।

तो अब, वह यहाँ सात बार आया। तो, यहाँ एक मुश्किल सवाल है। डॉ. हिल्डेब्रांट को इस सवाल का जवाब पता है, लेकिन शायद आप में से किसी को भी नहीं।

जॉर्ज व्हिटफील्ड को कहाँ दफनाया गया है? ट्रिक। यह कोई ट्रिक वाला सवाल नहीं है। इस सवाल का जवाब तो है, लेकिन इस सवाल का जवाब कौन जानता है? जॉर्ज व्हिटफील्ड को कहाँ दफनाया गया है? उन्हें न्यूबरीपोर्ट, मैसाचुसेट्स में दफनाया गया है, जो यहां से बहुत दूर नहीं है।

वह केवल छह बार ही घर वापस आ पाया, क्योंकि अपनी सातवीं यात्रा के दौरान वह न्यू हैम्पशायर में प्रचार कर रहा था। वह बीमार हो गया। वे उसे न्यूबरीपोर्ट ले आए।

वह पादरी के घर में था, उस चर्च का पादरी, एक चर्च जिसे बनाने में उसने मदद की थी। और वह मर गया, और उसे न्यूबरीपोर्ट, मैसाचुसेट्स के चर्च में दफनाया गया। उन्होंने उसे पल्पिट के नीचे दफनाया।

तो, आप में से कितने लोग न्यूबरीपोर्ट, मैसाचुसेट्स के चर्च में गए हैं और जॉर्ज व्हिटफील्ड की कब्र को देखने के लिए पुलपिट के नीचे का दौरा किया है? क्या आप में से किसी ने ऐसा किया है? ठीक है। डॉ. हिल्डेब्रांट और मैंने खुशी-खुशी ऐसा किया है। और इसलिए, आप भी ऐसा कर सकते हैं।

और इसलिए किसी दिन, आप उस चर्च में जा सकते हैं, और फिर उसके बाद, वे आपको तहखाने में ले जाकर जॉर्ज व्हिटफील्ड की कब्रगाह दिखाने में प्रसन्न होंगे। लेकिन दूसरी बात यह है कि जब आप फ़ोयर में चर्च में जाते हैं, तो उस चर्च में जॉर्ज व्हिटफील्ड के बारे में बहुत सारी किताबें और पांडुलिपियाँ और बहुत सारी चीज़ें होती हैं क्योंकि उन्होंने उस चर्च को स्थापित करने में मदद की थी। तो, जॉर्ज व्हिटफील्ड के बारे में बहुत कुछ है।

तो, वह सात बार यहाँ आया, छह बार घर वापस आया, और अब उसे यहाँ से लगभग 10, 15 मील दूर न्यूबरीपोर्ट, मैसाचुसेट्स में दफनाया गया है। तो, वहाँ जॉर्ज है। उसे आशीर्वाद दें।

तो, वह वाकई महत्वपूर्ण है। ठीक है। अब, एक और बात।

हाँ, अलेक्जेंडर? यह एक प्रेस्बिटेरियन चर्च है, न्यूबरीपोर्ट में एक ओल्ड साउथ प्रेस्बिटेरियन चर्च। अगर आपको मौका मिले तो आप इसे देखना चाहेंगे। आप जॉर्ज को मिस नहीं करना चाहेंगे।

आप जॉर्ज को देखना चाहते हैं। भगवान के लिए, वह हमारे पिछवाड़े में ही है। असल में, जब उन्होंने पहली बार जॉर्ज को पल्लिट के नीचे दफनाया था, तो उनके पास कोई ताबूत या कुछ भी नहीं था।

मुझे लगता है कि वह कफ़न या किसी और चीज़ में था। कुछ लोग जॉर्ज से इतने प्रभावित थे कि जब वे उसे देखने के लिए नीचे गए, तो उन्होंने हड्डियों को थोड़ा-थोड़ा करके उठाना शुरू कर दिया ताकि वे अपने साथ एक ट्रॉफी घर ले जा सकें। इसलिए उन्हें आखिरकार उसे एक ताबूत में रखना पड़ा ताकि उसके प्रशंसक जॉर्ज के घर का हिस्सा न ले जाएँ।

तो, उसे न्यूबरीपोर्ट में ही दफनाया गया है। ठीक है। हम शायद अभी उस तक पहुंचेंगे।

फिर पुनरुत्थान कैसा था? तो, हमने अब तक जिन तीन लोगों के बारे में बात की है, उनमें से जोनाथन एडवर्ड्स, फोर्ले हेइसन और गिल्बर्ट टेनेंट के बीच पुनरुत्थान हुआ। आम तौर पर पुनरुत्थान काफी नियंत्रित था। लोग धर्मातरित हो रहे थे, प्रभु के पास आ रहे थे और चर्च में शामिल हो रहे थे।

यह शायद बिली ग्राहम के पुनरुत्थान जैसा था, एक बहुत नियंत्रित प्रकार का पुनरुत्थान। अब, जॉर्ज व्हिटफील्ड थोड़ा अलग होने जा रहा है क्योंकि वह खुले आसमान के नीचे उपदेश देता है। खैर, हम इस बारे में बात करेंगे।

इसलिए, उनके पुनरुत्थान में कई बार चरम सीमाएँ देखी गईं। और इसलिए, हम उस पर चर्चा करेंगे। लेकिन अब तक, जिन लोगों के बारे में हमने बात की है, मैं कहूँगा कि वे पुनर्जीवित हो चुके हैं।

जोनाथन एडवर्ड्स ने कुछ ज्यादातियों का जिक्र किया, जो शायद पुनरुद्धार के कारण हुई हों। लेकिन अब तक, जो हमने देखा है वह जॉर्ज की तुलना में काफी शांत है। इसलिए नहीं... ओह, ठीक है।

ठीक है। तो यह एक अच्छा सेग्यू है। इस सेग्यू के लिए धन्यवाद।

तो, जॉर्ज। तो, जॉर्ज यहाँ आता है। तो अब, यहाँ जॉर्ज के उपदेश का एक उदाहरण है।

1740 में, ऐसा अनुमान है कि उस समय वह इस क्षेत्र के आसपास था, ऐसा अनुमान है कि 1740 में उसने एक महीने तक प्रतिदिन 8,000 लोगों को उपदेश दिया था। और उसने इन महान खुली हवा वाली जगहों पर उपदेश दिया। उनमें से एक, निश्चित रूप से, बोस्टन कॉमन था।

अब, इस मामले का तथ्य यह है कि बेंजामिन फ्रैंकलिन ने फिलाडेल्फिया में इसका अनुभव किया जब उन्होंने जॉर्ज व्हाइटफील्ड को वहाँ उपदेश देते हुए सुना। इस मामले का तथ्य यह है कि जॉर्ज व्हाइटफील्ड एक बहुत शक्तिशाली उपदेशक थे, लेकिन उन्होंने उन जगहों पर भी उपदेश दिया जहाँ प्राकृतिक जगह थी जहाँ आप आवाज़ सुन सकते थे। इसलिए, वह एक बार में 8,000 या 10,000 लोगों को उपदेश दे सकते थे, और लोग उन्हें उपदेश देते हुए सुन सकते थे।

वे जॉर्ज व्हाइटफील्ड को उपदेश देते हुए सुन सकते थे। बेंजामिन फ्रैंकलिन ने देखा कि जब जॉर्ज व्हाइटफील्ड फिलाडेल्फिया में थे; बेंजामिन फ्रैंकलिन भीड़ के किनारे से चले गए, वे हमेशा जॉर्ज व्हाइटफील्ड को उपदेश देते हुए सुन सकते थे। तो वहाँ एक महान उपदेशक है, लेकिन प्राकृतिक ध्वनिक सेटिंग ताकि लोग जॉर्ज को उपदेश देते हुए सुन सकें।

अब याद रखिए, हमारे पास ये सब, माइक्रोफोन और ऐसी ही दूसरी चीजें नहीं हैं। इसलिए जॉर्ज व्हाइटफील्ड उपदेश दे रहे हैं। हाँ।

तो क्या आपने कहा कि एक बार में 8,000 से 10,000 लोग, जैसे किसी कार्यक्रम में? अक्सर किसी कार्यक्रम में 8,000 से 10,000 लोग होते थे। और 1740 में, हम जानते हैं कि वह प्रतिदिन लगभग 8,000 लोगों को उपदेश दे रहा था, लेकिन वह प्रतिदिन अक्सर उपदेश देता था। इसलिए, हर कार्यक्रम में 8,000 लोग नहीं होते थे, लेकिन हम जानते हैं कि ऐसे समय भी थे जब 6,000, 8,000 और 10,000 लोग उसे उपदेश देते हुए सुन सकते थे।

यह बहुत उल्लेखनीय है। तो अब, यह कहाँ जाता है? जॉर्ज एडवर्ड्स, फ्रेलिंगहुइसन और टेनेंट के साथ अपने प्रचार के मामले में किस तरह से अलग हो गए? जॉर्ज व्हाइटफील्ड को यकीन था कि उन्हें खुली हवा में प्रचार करना चाहिए। उन्हें यकीन था कि वह चर्च में प्रचार नहीं करना चाहते थे; वह बोस्टन कॉमन पर प्रचार करना चाहते थे।

वह खुले आसमान के नीचे, खुले आसमान के नीचे प्रचार करना चाहते थे। और इस तरह उन्होंने इतने हज़ारों लोगों को अपना प्रचार सुनने के लिए प्रेरित किया क्योंकि वह बोस्टन कॉमन जैसी जगह पर जाते थे, वह एक पुलपिट खोलते थे, मैं आपको इसके बारे में बस एक मिनट में बताऊंगा, और फिर वह सुसमाचार का प्रचार करना शुरू कर देते थे। और इसलिए, जॉर्ज व्हाइटफील्ड ने ऐसा किया, एक तरह से, उनका बहुत बड़ा प्रभाव था।

या फिर वह कस्बों में जाता था, और शहर के बीच में रुककर शहर के बीच में प्रचार करना शुरू कर देता था। लोग बाहर आते और जॉर्ज व्हाइटफील्ड का प्रचार सुनते। मेरे लिए यह एक दिलचस्प अनुभव था, लेकिन मैं उत्तरी कैरोलिना के लेक जुनालुस्का नामक मेथोडिस्ट जगह पर था।

और वहाँ एक सुंदर संग्रहालय है। और देखिए, तो मैं एक दिन संग्रहालय में गया, और देखिए, उस संग्रहालय में उन्हें जो चीज़ें मिलीं, उनमें से एक जॉर्ज व्हाइटफील्ड का फ़्रील्ड पल्पिट था। उन्होंने फ़्रील्ड पल्पिट का आविष्कार किया था।

यह सब ढहने योग्य था। और फिर जब वह बाहर निकलता, जैसे, बोस्टन कॉमन में, वह इस चीज़ को खोलता, खोलता। यह रोलर्स की तरह था, इसलिए आप इसे बाहर रोल करने की कोशिश कर रहे हैं।

फिर वह इस चीज़ को खोलेगा। मुझे देखना चाहिए कि क्या मुझे कोई तस्वीर मिल सकती है। उसने इसे खोला, और फिर उसमें सीढ़ियाँ थीं।

तो, वह सीढ़ियों पर चढ़ जाता था, और फिर वहाँ एक मंच था जिसे आप वहीं रख सकते थे। और वह इस मंच पर जाता था, और उपदेश देता था। और इसलिए उसने यह अनुमान लगाया कि यह खुले में उपदेश देने से भीड़ को बचाया जा सकता है।

जॉर्ज व्हाइटफील्ड इसके लिए जाने जाते थे, और यह बहुत उल्लेखनीय था। अब, वह अन्य स्थानों पर भी प्रचार करते थे, कहीं भी, चर्चों में, जाहिर है, लेकिन खुली हवा में, वह किसी भी जगह प्रचार करते थे जो उन्हें मिल सकती थी। तो, यहाँ जॉर्ज के प्रचार का एक अच्छा उदाहरण है।

अब, पहले प्रचार की हमारी परिभाषा क्या थी? क्या किसी को याद है जब हम जोनाथन एडवर्ड्स के बारे में बात कर रहे थे? प्रचार की हमारी परिभाषा क्या थी? प्रचार करना ईश्वर की सच्चाई को व्यक्तित्व के माध्यम से प्रकट करना है। और जोनाथन एडवर्ड्स से ज़्यादा अलग व्यक्तित्व वाले दो व्यक्ति नहीं हो सकते, जिन्होंने चर्च की घंटी की रस्सी पर नज़र रखी, जब उन्होंने प्रचार किया, तो बहुत ही तर्कपूर्ण तरीके से और एक तरफ़, और दूसरी तरफ़ जॉर्ज व्हाइटफील्ड, क्योंकि यहाँ जॉर्ज है, उसने प्रचार करने के लिए खड़े होने के लिए कुछ स्टंप ढूँढ़ लिया। और देखिए बेचारे जॉर्ज के साथ क्या हो रहा है।

मेरा मतलब है, बाईं ओर ऊपर वाला आदमी अपनी तुरही बजा रहा है, और नीचे वाले लोग ढोल पीट रहे हैं क्योंकि वे उसे उपदेश देने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, और एक छोटा समूह आता है। कुछ लोग वास्तव में जॉर्ज को सुनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनमें से कोई भी उसे परेशान नहीं करता है। और वैसे, लंबी कहानी को संक्षेप में कहें तो, यह जॉर्ज व्हाइटफील्ड ही थे जिन्होंने जॉन वेस्ली को राजी किया था।

अब, हम अभी तक वेस्ली तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उन्होंने जॉन वेस्ली को खुले आसमान के नीचे प्रचार करने के लिए राजी कर लिया। जॉन वेस्ली भी एंग्लिकन थे। उन्हें इस बात पर यकीन नहीं था, लेकिन जॉर्ज व्हाइटफील्ड ने उन्हें राजी कर लिया।

वे दोस्त थे। जॉर्ज व्हाइटफील्ड ने उन्हें समझाया कि आपको खुले आसमान के नीचे प्रचार करना चाहिए, जहाँ लोग हों। और इसलिए, यह नया था।

यह कुछ ऐसा था जो प्रथम महान जागृति के अन्य प्रचारकों ने नहीं किया। यहाँ जॉर्ज व्हाइटफील्ड के उपदेश का एक और उदाहरण है, और यहाँ वह उपदेश दे रहे हैं, और जाहिर है कि एक भीड़ अधिक ध्यान से सुन रही है, मुझे लगता है। वैसे, वह हमेशा अपने कॉलर, अपने एंग्लिकन कॉलर, रोब और सब कुछ में उपदेश देते थे।

तो, वह खुले आसमान के नीचे उपदेश देने वाले जॉर्ज व्हाइटफील्ड की तरह थे। यह वाकई बहुत अद्भुत है। ठीक है, तो उपदेश देने के मामले में यह एक अलग तरह का व्यक्तित्व है।

हारून? यह ठीक है। हाँ। अच्छा, हाँ, एंग्लिकन कॉलर, मेरा मतलब है, हेनरी VIII के तहत एंग्लिकनवाद रोमन कैथोलिक धर्म से अलग हो गया, लेकिन उन्होंने बहुत सी धार्मिक पोशाक और सेवाओं के कुछ धार्मिक भाग को बनाए रखा।

तो, मुझे लगता है कि यह यहाँ एक बहुत ही स्वाभाविक विकास है। ये लोग ऑक्सफ़ोर्ड के लोग थे। और इसलिए, जब आप ऑक्सफ़ोर्ड में छात्र बनने जाते थे, तो आप लबादे वगैरह पहनते थे।

और अब इन लोगों को मंत्रालय में नियुक्त किया गया है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह शायद एक बहुत ही स्वाभाविक विकास है, लेकिन मैंने वास्तव में कभी इस पर गौर नहीं किया। लेकिन हाँ।

हाँ, मुझे ऐसा लगता है क्योंकि वह इसी तरह के उपदेशक थे। देखिए, जोनाथन एडवर्ड्स बहुत सावधान थे, जॉर्ज नहीं। जॉर्ज सब कुछ था, वह, हाँ।

तो, यह सुंदर है; हाँ, वह कुछ मायनों में एक जंगली आदमी है। वह वास्तव में उपदेश दे रहा है। तो, यह जोनाथन एडवर्ड्स से एक अलग व्यक्तित्व है।

तो, जॉर्ज है। तो, ठीक है। जॉर्ज के बारे में बस कुछ और बातें।

मैं इसे सुसमाचार के लिए सेटिंग कहता हूँ। सुसमाचार के लिए सेटिंग बहुत महत्वपूर्ण थी। इसलिए, मैं जॉर्ज के लिए सुसमाचार के लिए सेटिंग और सुसमाचार प्रचार के बारे में चार बातें कहना चाहता हूँ।

इसके बारे में चार बातें। ठीक है। पहली बात जो मैं कहना चाहता हूँ, वह हम पहले ही कह चुके हैं, लेकिन बस इसे अपने नोट्स में लिख लें।

पहली बात तो यह है कि उन्होंने खुले आसमान के नीचे प्रचार किया। दूसरे शब्दों में कहें तो वे घर के अंदर या चर्च में सीमित नहीं थे। जॉर्ज के लिए कोई बंधन नहीं था।

तो यह एक बात है जो हम कहना चाहते थे। ठीक है। दूसरी बात जो हम कहना चाहते हैं वह यह है कि उन्होंने लोगों की भाषा में प्रचार किया।

हम इसे बाद में चार्ल्स फिन्नी और बाद में ड्वाइट एल. मूडी के साथ देखेंगे, लेकिन उन्होंने लोगों की भाषा में प्रचार किया। ऐसा नहीं है कि उन्हें बाइबल की भाषा नहीं आती थी। वह इसे अच्छी तरह जानते थे, बाइबल को अच्छी तरह जानते थे।

वह ऑक्सफ़ोर्ड के छात्र थे, लेकिन उन्होंने लोगों की भाषा में प्रचार करने की कोशिश की ताकि सुसमाचार उनके जीवन के लिए प्रासंगिक और उनके जीवन में समझने योग्य हो। इसलिए, उन्होंने लोगों को प्रचार करने के लिए आम भाषा का इस्तेमाल किया। तो, तीसरी बात यह है कि वह शायद जोनाथन एडवर्ड्स से थोड़ा अलग हैं।

तीसरी बात उनकी अपील है, जो दिल से, लोगों के अनुभव से, उनके दिल से, उनकी भावनाओं से जुड़ी है। और इसलिए आपके पास कुछ था। आपने उल्लेख किया कि किसी ने मुझसे पूछा था, और आपके पास पुनरुत्थान में कुछ अतिरेक थे, लेकिन उन्होंने लोगों के दिल से, लोगों की भावनाओं से, लोगों के अनुभव से उपदेश दिया। इसलिए, इसलिए, उनका उपदेश नहीं था; मेरे पास यहाँ क्या है? यह एक तरह का तर्कसंगत उपदेश है।

शायद आप कह सकते हैं कि जोनाथन एडवर्ड्स ने वकील की तरह तर्क दिया। यह बात दूसरे लोगों के लिए तो सही होगी, लेकिन जॉर्ज व्हाइटफील्ड के लिए नहीं। तो यह नंबर तीन है।

तो, ठीक है। और नंबर चार, वह अपने बाद के बहुत से उपदेशों के लिए प्रेरणा थे, उदाहरण के लिए, दूसरे महान जागरण में, क्योंकि जॉर्ज व्हाइटफील्ड के बाद दूसरे महान जागरण में एक तत्व था और खुली हवा में उपदेश देना और दिलों को उपदेश देना और इसी तरह। तो वह था, वह था, वह एक तरह से एक उदाहरण था।

ठीक है। अब, अगर आप उन चार चीजों को देखें, खुली हवा में प्रचार करना, लोगों की भाषा में प्रचार करना, उनके दिलों और उनकी भावनाओं को लक्ष्य बनाना, और प्रेरणा बनना। अगर आप जोनाथन और जॉर्ज व्हाइटफील्ड के प्रचार के लिए उन चार चीजों को देखें, तो आप कह सकते हैं कि उन चार चीजों का व्यापक संस्कृति में राजनीतिक रूप से इस्तेमाल किया गया था।

व्यापक संस्कृति ने सीखा कि इस तरह की चीजों का राजनीतिक रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है, न कि केवल इन धार्मिक प्रचारकों द्वारा, बल्कि इस तरह की चीजों ने अमेरिकी संस्कृति में राजनीतिक जीवन को एक नए तरीके से प्रभावित किया। और हम इसे तब देखेंगे जब हम कुछ योगदानों पर पहुंचेंगे। लेकिन यह, यह, जो जॉर्ज व्हाइटफील्ड और पहली महान जागृति के साथ हो रहा है, उसका व्यापक संस्कृति पर जबरदस्त प्रभाव पड़ने वाला है।

और शायद जॉर्ज व्हाइटफील्ड से ज्यादा कोई नहीं, अपने काम करने के तरीके के मामले में, आप जानते हैं। इसलिए हम बस इसे याद रखना चाहते हैं। मुझे बस यह देखने दें कि मैं यहाँ कहाँ हूँ।

और फिर हमने कहा कि वह न्यूबरीपोर्ट में मर गया। बहुत बढ़िया। ठीक है।

तो चलिए मैं यहाँ एक प्रश्न देखता हूँ। तो, मैं पहले उसे ले लेता हूँ। फिर मैं आपको शुक्रवार की छुट्टी देता हूँ।

तो हाँ, यह सही है। इस शैली में नहीं।

यह वह शैली है जो व्यापक अमेरिकी संस्कृति में योगदान देगी, जो आज है। बिल्कुल।

हाँ, हाँ, और, और हाँ।

और जब हम इन योगदानों पर पहुंचेंगे तो हम देखेंगे कि यह क्या है। हम इस बात पर फिर से जोर देंगे। प्यूरिटन गवर्नर, जॉन कॉटन, ऐसे लोगों की तरह।

ठीक है. हाँ. हाँ.

वे सामूहिक रूप से चुने जाते हैं। वैसे, वोट देने के लिए आपको सामूहिक चर्च का सदस्य होना चाहिए। और वोट देने का अधिकार सिर्फ पुरुषों को है।

लेकिन वे स्टंप पर नहीं हैं। वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। औपनिवेशिक जीवन में ऐसा सच होता।

औपनिवेशिक राजनीतिक जीवन ऐसा ही था। बुनियादी तर्क चर्च में दिए जाते थे। लोग मतदान करते थे, लेकिन अमेरिकी क्रांति की शुरुआत में जो हुआ, उसकी तुलना में यह बहुत ही शांत प्रक्रिया थी।

और, और फिर अब, आज को देखिए। क्या आज बहुत शांति नहीं है? ऐसा नहीं है; हम आज बहुत शांत नहीं हैं, लेकिन हम इसके लिए जॉर्ज को दोष नहीं दे सकते, बेशक। हाँ।

धर्मांतरित लोगों के संदर्भ में? मुझे धर्मांतरित लोगों के संदर्भ में नहीं पता, लेकिन निश्चित रूप से, जब हम इन लोगों के प्रभाव को देखेंगे, तो वे अमेरिकी संस्कृति में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के अलावा सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति हैं, जो कि बहुत आश्चर्यजनक है। लोग जॉर्ज व्हाइटफील्ड का नाम जानते थे, लेकिन राष्ट्रपति के अलावा किसी और का नाम नहीं जानते थे। इसलिए, मुझे लगता है कि वे बेंजामिन फ्रैंकलिन पर प्रभावशाली थे, लेकिन बेंजामिन फ्रैंकलिन एक नास्तिक बने रहे।

उनके पास धर्मांतरण का कोई खास अनुभव नहीं था। और शायद इसलिए कि उनका तरीका, शायद इसलिए कि आम लोगों और उनकी भाषा और उनके दिलों में उनकी अपील थी और इसी तरह की अन्य बातें। लेकिन निश्चित रूप से उनका व्यापक संस्कृति पर प्रभाव था।

इसी तरह प्रथम महान जागृति भी हुई क्योंकि लोग चर्च में शामिल होने लगे, चर्च जाने लगे, इत्यादि। तो, निश्चित रूप से, निश्चित रूप से इसका प्रभाव बहुत बढ़िया था। हाँ।

कुछ और, शुक्रवार को 10 सेकंड का ब्रेक लें। और इस पर यकीन करना मुश्किल है। पहली महान जागृति पर प्रतिक्रियाएँ।

और फिर, हम प्रथम महान जागृति के परिणामों पर नज़र डालेंगे। मुझे नहीं लगता कि हम आज यह सब कर पाएँगे, इसलिए हमें सोमवार तक जाना पड़ सकता है। कोई बात नहीं।

तो, ठीक है। तो, प्रथम महान जागृति के प्रति प्रतिक्रियाएँ, क्या सभी लोग इसमें शामिल थे? क्या सभी को लगा कि यह अमेरिकी सार्वजनिक जीवन में अब तक की सबसे बड़ी घटना थी? खैर, इसका उत्तर, निश्चित रूप से, नहीं है। प्रथम महान जागृति के प्रति प्रतिक्रियाएँ थीं।

और मैं उनमें से तीन का उल्लेख करने जा रहा हूँ। सबसे पहले, कुछ संप्रदायों के बीच विभाजन थे। कुछ संप्रदाय प्रथम महान जागृति के कारण काफी विभाजित थे, लेकिन प्रेस्बिटेरियन से अधिक कोई संप्रदाय विभाजित नहीं था।

अब, इसका मतलब यह नहीं है कि आपके पास दो प्रेस्बिटेरियन संप्रदाय हैं क्योंकि आपके पास नहीं है। अंततः आपके पास अलग-अलग प्रेस्बिटेरियन संप्रदाय होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि आपके पास नहीं है; आपके पास दो अलग-अलग प्रेस्बिटेरियन संप्रदाय हैं जो आपके पास नहीं हैं।

लेकिन प्रेस्बिटेरियनिज़्म के भीतर दो अलग-अलग समूह हैं। एक समूह को न्यू साइड पार्टी कहा जाता है। और दूसरे समूह को ओल्ड साइड पार्टी कहा जाता है।

ठीक है, तो यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि यहाँ क्या चल रहा है। अब, न्यू साइड पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो लोगों के बीच पुनरुत्थानवाद, सुसमाचार प्रचार और महत्वपूर्ण धर्मनिष्ठता को पसंद करती है। अगर इसका मतलब कुछ प्रतिबंधों को कम करना है, तो ऐसा ही हो।

अगर इसका मतलब यह है कि शायद कभी-कभी आम लोग प्रचार करने जा रहे हैं, तो ऐसा ही हो। जहाँ तक न्यू साइड पार्टी का सवाल है, यह ईश्वर का काम है। ठीक है, तो पहली महान जागृति, ये लोग इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

ठीक है, जाहिर है, ओल्ड साइड पार्टी। प्रेस्बिटेरियन चर्च के भीतर ओल्ड साइड पार्टी, बहुत अधिक पारंपरिक, बहुत अधिक रूढ़िवादी। और ओल्ड साइड पार्टी में ऐसे लोग थे जो वास्तव में बहुत अधिक कड़े नियंत्रण वाला प्रेस्बिटेरियन चर्च चाहते थे।

और यह बात खास तौर पर तब सच थी जब मंत्रालय के लिए नियुक्ति की बात आई। वहाँ कौन उपदेश देने के लिए मंच के पीछे खड़ा होना चाहिए? क्या आप किसी आम आदमी को वहाँ जाने देंगे और उपदेश देना शुरू करेंगे? नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे। ओल्ड साइड पार्टी ने कहा कि नहीं। वे इस तरह की चीजों में बहुत अधिक पारंपरिक थे, इस तरह की चीजों में बहुत अधिक रूढ़िवादी थे।

इसलिए, वे प्रथम महान जागृति को ईसाई विरोधी मानते थे। इस प्रथम महान जागृति से बहुत सारे बुरे परिणाम सामने आए हैं, और ओल्ड साइड पार्टी बहुत विरोध में थी। अब, जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, ये दो अलग-अलग संप्रदाय नहीं हैं।

इसका मतलब यह है कि एक प्रेस्बिटेरियन चर्च में, आपके पास न्यू साइड के लोग हो सकते हैं। उसी चर्च में आपके पास ओल्ड साइड के लोग भी हो सकते हैं। तो यह संप्रदायों के भीतर एक विभाजन है, लेकिन प्रेस्बिटेरियन सबसे ज्यादा थे। पहली महान जागृति के लिए दूसरी वास्तविक प्रतिक्रिया चार्ल्स चाउंसी नाम के एक व्यक्ति की थी।

अब, यह उच्चारण करने के लिए एक बढ़िया नाम है, है न? चार्ल्स चाउंसी। खैर, चार्ल्स चाउंसी, यह बहुत परिष्कृत लगता है, है न? चार्ल्स चाउंसी। खैर, वह बहुत परिष्कृत था।

वह बोस्टन के फर्स्ट चर्च कांग्रेगेशनल के पादरी थे। और चार्ल्स चाउंसी ने प्रथम महान जागृति के खिलाफ जोरदार प्रचार किया। उनका मानना था कि प्रथम महान जागृति चर्च के लिए एक बड़ी गड़बड़ी थी और चर्च के लिए एक बड़ा अपमान था।

और इसलिए, रविवार की सुबह धनी और प्रभावशाली बोस्टनवासियों के इस बहुत प्रतिष्ठित चर्च में, चार्ल्स चाउंसी उन्हें यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि पहली महान जागृति ईसाई धर्म में अब तक हुई सबसे बुरी घटना है। इसलिए, अपने उपदेश और शिक्षा के ज़रिए, वह उन्हें इस बात का यकीन दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। वह पहली महान जागृति के धर्मशास्त्र के बहुत से पहलुओं से भी प्रभावित नहीं थे, जिस पर पहली महान जागृति में ज़ोर दिया गया था, जैसे कि यीशु की दिव्यता और इसी तरह की अन्य बातें।

इसलिए, अंततः, वह एक यूनिटेरियन बन गया। इसलिए, उसने त्रित्ववादी धर्मशास्त्र और त्रित्ववादी मान्यताओं के किसी भी विचार को त्याग दिया और वह सब छोड़ दिया। वह अंततः एक यूनिटेरियन बन गया, इस समय के दौरान नहीं, बल्कि अंततः एक यूनिटेरियन बन गया।

तो चार्ल्स चांसी बहुत ही मुखर थे और, जैसा कि मैं कहूंगा, प्रथम महान जागृति के एक शक्तिशाली विरोधी थे। यहाँ, आप चार्ल्स चांसी को बोस्टन में प्रचार करते हुए देख सकते हैं, ठीक उसी समय जब जॉर्ज व्हाइटफील्ड बोस्टन कॉमन में 8,000 लोगों को इकट्ठा कर रहे थे ताकि वे ईश्वर के वचन की घोषणा सुन सकें और लोग विश्वासी बन सकें। इसलिए, बोस्टन में इस बात को लेकर काफी संघर्ष हुआ।

तो, चार्ल्स चांसी। नंबर तीन, विश्वविद्यालयों के भीतर विरोध है। ऐसे विश्वविद्यालय थे जिन्होंने सोचा था कि महान जागृति, पहली महान जागृति, वास्तव में एक अच्छी बात नहीं थी; यह बहुत बौद्धिक विरोधी, बहुत तर्क विरोधी थी।

और इसलिए, विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों, अध्यक्षों और छात्रों ने प्रथम महान जागृति के खिलाफ तर्क दिया। ठीक है, इसके दो उदाहरण हार्वर्ड और येल हैं। यह बहुत दिलचस्प है कि हार्वर्ड और येल प्रथम महान जागृति के खिलाफ तर्क देते हैं।

हार्वर्ड की स्थापना प्यूरिटन लोगों द्वारा प्यूरिटन प्रचारकों को प्रशिक्षित करने के लिए की गई थी। येल की स्थापना कांग्रेसनलिस्ट लोगों द्वारा कांग्रेसनल प्रचारकों को प्रशिक्षित करने के लिए की गई थी। आप खुद से कहेंगे, बेटा, यह अजीब बात है कि वे प्रथम महान जागृति के खिलाफ बहस कर रहे हैं।

इस समय तक हार्वर्ड यूनिटेरियन बनने लगा था। अब, यह अगले कुछ सालों तक पूरी तरह आगे नहीं बढ़ा है, लेकिन हार्वर्ड एक ऐसी जगह बनने लगा है जहाँ यूनिटेरियनिज्म पढ़ाया जाता है। यह एक यूनिटेरियन जगह, एक यूनिटेरियन विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता है।

खैर, वह बेचारा जॉन हार्वर्ड होगा, जिसकी मूर्ति आप देख रहे हैं, जॉन हार्वर्ड की बैठी हुई मूर्ति, जिसे आप हार्वर्ड यार्ड में देखते हैं। उसे यह जानकर बहुत दुख होगा कि उसका हार्वर्ड विश्वविद्यालय यूनिटेरियन बन गया है। येल यूनिटेरियन बन जाएगा, लेकिन येल के बारे में दिलचस्प कहानी है, लंबी कहानी संक्षेप में।

अब याद कीजिए, तो हम यहाँ हैं, प्रथम महान जागृति, 1734 और उसके बाद, क्रांतिकारी युद्ध तक। और येल इसके खिलाफ बोलता है। येल इससे खुश नहीं है।

लेकिन येल वह स्थान बन जाएगा जहाँ 1800 में अमेरिका में दूसरी महान जागृति शुरू होगी। इसलिए, यह दिलचस्प है कि इस समय विश्वविद्यालय परिसर में लोग पहली महान जागृति के खिलाफ बहस कर रहे हैं, लेकिन येल में वास्तविक बदलाव होने जा रहा है और यह अमेरिका में दूसरी महान जागृति का केंद्र बन जाएगा। इसलिए, यहाँ बहुत कुछ हो रहा है, लेकिन आपको पहली महान जागृति के बारे में विरोध मिलता है।

हर कोई इसे एक बढ़िया विचार नहीं मानता, लेकिन... ठीक है। मुझे अभी वापस जाना है।

इस तरह की बहुत सी बातें सार्वजनिक रूप से हो रही हैं। और जोनाथन एडवर्ड्स में भी कुछ ज्यादाियाँ थीं, लेकिन इनमें से बहुत सी बातें सार्वजनिक रूप से हो रही हैं। और आम लोग ईसाई बन रहे हैं।

इसके अलावा, कभी-कभी, कुछ स्थितियों में, आम लोग खड़े होकर बाइबल से बोलते हैं। ये चीजें नहीं हो सकतीं। इसलिए, ये ही नहीं सकतीं।

और आप कल्पना कर सकते हैं कि चार्ल्स चाउंसी बोस्टन कॉमन में शाम को टहल रहे होंगे और इस तरह की चीजें होती हुई देख रहे होंगे। और सारा हंगामा और शोर, और कुछ लोग व्हिटफील्ड को चुप कराने की कोशिश कर रहे थे, और दूसरे लोग उसे नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे थे, और दूसरे लोग उसकी बात सुनने की कोशिश कर रहे थे, और लोग बेहोश हो रहे थे। उन्हें यह बिल्कुल भी मज़ेदार नहीं लगा।

यहाँ एक सर्कस था। तो अब, अगर आप देखें, तो बस एक मिनट के लिए सोचें कि वहाँ क्या हो रहा है। जॉन वेस्ले के कारण अब इंग्लैंड में एक महान पुनरुत्थान हो रहा है।

हम इस बारे में बाद में बात करेंगे, इसलिए हमें अभी इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। जॉन वेस्ली को खुले में प्रचार करने के लिए मना लिया गया था, ठीक वैसे ही जैसे जॉर्ज व्हिटफ्रील्ड उन्हें खुले में प्रचार करने के लिए मना सकता था। लेकिन जॉन वेस्ली ने इंग्लैंड में अपने पुनरुत्थान के लिए कुछ अतिशयोक्ति की थी।

और उनमें से एक यह था कि जब वह उपदेश दे रहा था, मान लीजिए कि यह लंदन में वेस्ले है। जब वह उपदेश दे रहा था, तो लोग कुत्तों की तरह चिल्लाने लगे। वे सेवा के दौरान कुत्तों की तरह भौंकने लगे।

तो, वे भौंकते ही जा रहे हैं, भौंकते ही जा रहे हैं, भौंकते ही जा रहे हैं। और जॉन वेस्ली को यह बिल्कुल भी मज़ाकिया नहीं लगता। वह जॉर्ज की तरह बहुत निरंकुश है।

इसलिए, उन्होंने पूरा शो ही बंद कर दिया। हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर चार्ल्स चाउंसी जैसा कोई व्यक्ति बोस्टन कॉमन पर शाम की सैर कर रहा हो, जॉर्ज उपदेश दे रहा हो, और उसने लोगों को कुत्तों की तरह भौंकते हुए सुना हो?

वह सोचता था कि वे पागल हो गए हैं। इसलिए, ये अतिशयताएँ ही सबसे बड़ी समस्या थीं - प्रथम महान जागृति पर धक्का।

प्रथम महान जागृति के बारे में तीन प्रमुख विरोध और तीन प्रमुख आलोचनाएँ थीं। हाँ। क्या आपने अपना हाथ उठाया था? हाँ।

यूनिटेरियनवाद के बारे में थोड़ा सा पूछने जा रहा था। हाँ। हम यूनिटेरियनवाद के बारे में बात करने जा रहे हैं।

तो, हम यूनिटेरियनवाद के बारे में बहुत कुछ कहेंगे क्योंकि यह अमेरिकी चर्च जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। मूल रूप से, यह त्रित्ववादी विश्वास का खंडन है और एक संप्रदाय में गठन है। यह इन लोगों के लिए इतना आकर्षक कैसे है? ठीक है।

हाँ। हम इस बारे में खूब बात करेंगे। हाँ।

ठीक है। अब, आखिरी काम जो मैं करना चाहता हूँ, जैसा कि आप अपने पाठ्यक्रम में देख सकते हैं, वह है प्रथम महान जागृति के परिणामों को देखना। और मैंने इसे दो क्षेत्रों में विभाजित किया है।

मैंने इसे धार्मिक परिणामों और सामाजिक परिणामों में विभाजित किया है क्योंकि उन्होंने मुझे दोनों तरह से प्रभावित किया है। अब, जाहिर है, दोनों तरह से प्रभाव पड़ता है। ठीक है।

तो, नंबर एक है धार्मिक योगदान। हम जोनाथन एडवर्ड्स के तहत पहले ही इसका उल्लेख कर चुके हैं। लेकिन प्रथम महान जागृति के परिणामस्वरूप, अमेरिकी चर्च जीवन और सार्वजनिक जीवन में कैल्विनवाद का पुनरुत्थान हुआ है।

तो, याद रखें, प्यूरिटन अपने साथ कैल्विनवाद लेकर आए थे। यह खत्म हो गया। जिन चार लोगों का हमने ज़िक्र किया, वे प्रथम महान जागृति के चार नेता थे, वे सभी कैल्विनवादी थे।

तो यह उनका धार्मिक रुझान था। वे कैल्विनिस्ट थे। उदाहरण के लिए, जॉर्ज व्हाइटफील्ड एक कैल्विनिस्ट थे, और इसीलिए वे अपने दोस्त जॉन वेस्ले से पूर्वनियति के मुद्दे पर असहमत थे।

लेकिन जिन चार प्रचारकों पर हमने गौर किया है, वे सभी कैल्विनिस्ट हैं। और इसलिए वे कैल्विनवाद को वापस लाते हैं। यह पूरी तरह से पुनरुत्थान है।

अमेरिकी जीवन में पेंडुलम वापस कैल्विनवाद की ओर झुकता है - इसमें कोई संदेह नहीं है। नंबर दो, यहाँ अनुभवात्मक धर्मनिष्ठता का पुनरुत्थान है।

अनुभवजन्य धर्मनिष्ठा का पुनरुत्थान। ठीक है। इसका मतलब यह है कि ईसाई धर्म सिर्फ तर्कसंगत सैद्धांतिक ज्ञान का विषय नहीं है।

ईसाई धर्म का कुछ संबंध हृदय से है। इसका कुछ संबंध आपके अपने अनुभव से है। इसका कुछ संबंध आपके अपने आंतरिक जीवन से है।

इसका उससे बहुत कुछ लेना-देना है। इसलिए हम इसे अनुभवात्मक धर्मनिष्ठता कहते हैं। प्रथम महान जागृति के प्रचारक केवल लोगों के मन को ही नहीं बल्कि लोगों के दिलों को भी उपदेश देते हैं, जिसका अर्थ है कि वे संपूर्ण व्यक्ति को उपदेश देते हैं।

तो, आप इसे पहले महान जागरण के साथ बहुत बार देखते हैं। नंबर तीन, धार्मिक जीवन के लिए एक प्रमुख परीक्षा। धार्मिक जीवन के लिए एक प्रमुख परीक्षा व्यक्तिगत रूपांतरण बन जाती है।

फिर हम जानते हैं कि यदि आप एक ईसाई हैं, तो क्या आप इस तथ्य की गवाही दे सकते हैं कि आपने मसीह को अपने व्यक्तिगत प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है? धार्मिक जीवन के लिए यही मुख्य परीक्षा है। तो नहीं, क्या आप चर्च के सभी सिद्धांतों को जानते हैं? क्या आप चर्च के सभी भजनों को जानते हैं? क्या आप बाइबल की सभी आयतों को जानते हैं? ये बातें नहीं। ये सभी बातें अच्छी हैं, लेकिन ये आपके धार्मिक जीवन की मुख्य परीक्षा नहीं हैं।

ऐसे बहुत से लोग हैं जो बहुत से सिद्धांत, बहुत सी बाइबल आयतें और बहुत से भजन जानते हैं, लेकिन वे ईसाई नहीं हैं। और हो सकता है कि वे ईसाई होने का दिखावा करते हों। वे चर्च जाते हों और वे बाइबल की सभी आयतें सुनाने में सक्षम हों।

लेकिन इस प्रथम महान जागृति में, मुख्य परीक्षा व्यक्तिगत रूपांतरण है। यह भी एक तरह से प्यूरिटन की ओर वापस जाना है। इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है।

और चौथा, इसने उच्च शिक्षा के प्रति चिंता को बढ़ावा दिया। हम पहले दो का उल्लेख कर चुके हैं। हमने प्रिंसटन का उल्लेख किया, जिसकी स्थापना प्रेस्बिटेरियन ने की थी।

हमने ब्राउन यूनिवर्सिटी का ज़िक्र किया, जिसकी स्थापना बैपटिस्ट ने की थी। इसे मूल रूप से रोड आइलैंड कॉलेज कहा जाता था, लेकिन इसका नाम बदलकर ब्राउन यूनिवर्सिटी कर दिया गया। यहाँ कुछ जगहें दी गई हैं, जिनमें से दो का ज़िक्र हमने नहीं किया है।

क्रीस कॉलेज, जिसकी स्थापना 1766 में हुई थी और जिसे अब न्यू जर्सी में रटगर्स के नाम से जाना जाता है, एक बहुत अच्छा सरकारी स्कूल है, लेकिन इसकी स्थापना 1766 में डच रिफॉर्मिस्ट द्वारा की गई थी। और फिर, डार्टमाउथ की स्थापना 1769 में एक सामूहिक कॉलेज के रूप में की गई थी। डार्टमाउथ ने इससे पहले मूल अमेरिकियों के लिए एक मिशनरी मंत्रालय चलाया था, लेकिन अंततः उन्होंने यह नाम अपना लिया, और उन्होंने उस तारीख को अपनी स्थापना का समय बताया।

ठीक है, तो कुछ धार्मिक योगदान। इसमें कोई संदेह नहीं है। इसलिए मैं इन्हें सामाजिक के बजाय धर्मशास्त्र के अंतर्गत रख रहा हूँ क्योंकि इन स्थानों पर दी जाने वाली शिक्षाओं में धर्मशास्त्र ही महत्वपूर्ण था।

इसीलिए उनकी स्थापना की गई थी: विभिन्न परंपराओं में धर्मशास्त्र पढ़ाने, उपदेशकों को बढ़ाने, इत्यादि के लिए। इसलिए, मैंने उन्हें यहाँ धर्मशास्त्रीय योगदान के अंतर्गत रखने का निर्णय लिया है। ठीक है, मैं सिर्फ सामाजिक योगदान का उल्लेख करूँगा।

सामाजिक योगदान सबसे पहले आता है, और हम पहले ही देख चुके हैं: आम आदमी का उत्थान। इसमें कोई संदेह नहीं है। आम आदमी, आम महिला, अब ऊपर उठ गए हैं।

और दो महत्वपूर्ण तरीकों से उन्नत किया गया। मैं आज इन सभी पर चर्चा नहीं करूँगा, लेकिन कम से कम मैं आज इन्हें शुरू करूँगा और हम इन्हें सोमवार को समाप्त करेंगे। दो तरीकों से उन्नत किया गया, और हम सभी ने इसका उल्लेख किया है।

हालाँकि, आम व्यक्ति को इसलिए ऊपर उठाया जाता है क्योंकि उसका धार्मिक अनुभव उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि धनवान और प्रभावशाली व्यक्ति। धनवान और प्रभावशाली व्यक्ति धार्मिक व्यक्ति हो सकता है, लेकिन अब, व्यक्तिगत धर्मांतरण के कारण, सभी को समान स्तर पर रखने के कारण, अब आम व्यक्ति, शायद अशिक्षित व्यक्ति, शायद बहुत-बहुत गरीब व्यक्ति भी, वह व्यक्ति पुजारी, पादरी, मंत्री के समान धार्मिक स्तर पर है। तो उस व्यक्ति को उस तरह से ऊपर उठाया जाता है।

और निश्चित रूप से बाइबल में ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन, ठीक है, आम व्यक्ति के लिए दूसरे स्थान पर पदोन्नति का उल्लेख हम पहले ही कर चुके हैं। आम व्यक्ति, आम व्यक्ति, उनमें से कुछ अब चर्च में बोल सकते हैं।

क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं? चार्ल्स चाउंसी के लिए भगवान न करे। लेकिन उनमें से कुछ वास्तव में चर्च में बोल सकते हैं क्योंकि उन्हें बोलने के लिए भगवान द्वारा प्रेरित किया जाता है, और चर्च का पादरी उन्हें चर्च में बोलने या उपदेश देने का अवसर देता है। तो अब आम

व्यक्ति, आम आदमी के पास ऐसे अवसर हैं जो आमतौर पर केवल एक पादरी या पादरी या पुजारी को मिलते हैं।

तो व्यक्ति, आम व्यक्ति, निश्चित रूप से इस सामाजिक योगदान, पहले सामाजिक योगदान से ऊपर उठ जाता है। तो, ठीक है, दूसरा भी ऐसा ही है। दूसरा यह है कि आम गतिविधि पर जोर दिया जाता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है। आम लोगों की गतिविधियों पर जोर दिया जाता है, जिसका मतलब है नेतृत्व की नई भूमिकाएँ, जिसका मतलब है कि आम लोगों को नेतृत्व की भूमिकाएँ दी जाती हैं। चर्च में नेतृत्व की भूमिकाएँ आम लोगों को दी जाती हैं।

चर्च का नेता सिर्फ पादरी, उपदेशक, मंत्री या पादरी ही नहीं होता। चर्च के आम लोग ही चर्च का नेतृत्व कर सकते हैं। और, ज़ाहिर है, मण्डलीवाद ने पहले ही यह जान लिया था।

इसलिए, मण्डलीवाद का नेतृत्व पहले से ही आम लोगों द्वारा किया जा रहा था। आम लोग पहले से ही चर्च चला रहे हैं। लेकिन अब, प्रथम महान जागृति के कारण, बहुत से अन्य ईसाई भी आम लोगों के महत्व को समझ रहे हैं।

मैं यहाँ एक और बात कहना चाहूँगा। धार्मिक जीवन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता। तो, धार्मिक जीवन एक व्यक्तिगत स्वतंत्र विकल्प है।

मैं ईश्वर को हाँ कह रहा हूँ या फिर ईश्वर को ना कह रहा हूँ। मैं चुनने के लिए स्वतंत्र हूँ, ईश्वर को हाँ या ना कहने के लिए स्वतंत्र हूँ। यह राजनीतिक जीवन में स्वतंत्रता की ओर इशारा करता है।

क्योंकि अब अमेरिकी उपनिवेशों में राजनीतिक जीवन में, लोग कहने लगे हैं, एक मिनट रुकिए, शायद हमें ब्रिटिश सरकार को ना या हाँ कहने की आज़ादी मिलनी चाहिए। शायद लोगों को धार्मिक लोगों की तरह ना या हाँ कहने की आज़ादी होनी चाहिए। शायद उन्हें राजनीतिक जीवन में भी ना या हाँ कहने की आज़ादी होनी चाहिए।

खैर, इंग्लैंड में लोग ऐसा कर रहे हैं, यह बात लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आएगी। मुझे एक और काम करने दो। मेरे पास बस एक और काम के लिए समय है।

एक और बात। चर्च और राज्य का पृथक्करण। कांग्रेसनलिस्ट और बैपटिस्ट और रोजर विलियम्स और विलियम पेन को याद करें।

बस याद रखें कि यह एक बड़ा मुद्दा बन जाता है, चर्च और राज्य का अलगाव, और यह राजनीतिक जीवन में अपना रास्ता खोज लेता है। इसलिए, चर्च और राज्य का अलगाव राजनीतिक जीवन में भी आता है क्योंकि हम नहीं चाहते कि राज्य चर्च को बताए कि उसे क्या करना है। हम नहीं चाहते कि राज्य चर्च को नियंत्रित करे।

आप ऐसा नहीं कर सकते। अब, याद कीजिए कि हमने कहा था कि आज राज्य चर्च के बारे में बातचीत विपरीत दिशा में चली गई है। हम नहीं चाहते कि चर्च राज्य को प्रभावित करे।

वास्तव में, एक अर्थ में, चर्च और राज्य के बीच अलगाव की शुरुआत इसी कारण से नहीं हुई। इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि राज्य चर्च को बताए कि उसे क्या करना है, जैसा कि यूरोप और यूरोपीय युद्धों वगैरह में हुआ था। तो खैर।

ठीक है। भगवान आपका भला करे। आपका सप्ताहांत अच्छा रहे।

हम इसे सोमवार को समाप्त करेंगे और फिर याद करेंगे कि बुधवार को हम सवालियों के साथ क्या कर रहे हैं और फिर शुक्रवार को। ठीक है। आपका सप्ताहांत अच्छा रहे।

यह डॉ. रोजर ग्रीन द्वारा अमेरिकी ईसाई धर्म पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, जोनाथन एडवर्ड्स और प्रथम महान जागृति।